

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्गा/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 41]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 13 अक्टूबर 2023—अश्विन 21, शक 1945

विषय—सूची

भाग 1.—(1) राज्य शासन के आदेश, (2) विभाग प्रमुखों के आदेश, (3) उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं, (4) राज्य शासन के संकल्प, (5) भारत शासन के आदेश और अधिसूचनाएं, (6) निर्वाचन आयोग, भारत की अधिसूचनाएं, (7) लोक-भाषा परिशिष्ट.

भाग 2.—स्थानीय निकाय की अधिसूचनाएं.

भाग 3.—(1) विज्ञापन और विविध सूचनाएं, (2) सांख्यिकीय सूचनाएं.

भाग 4.—(क) (1) छत्तीसगढ़ विधेयक, (2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन, (3) संसद में पुरःस्थापित विधेयक, (ख) (1) अध्यादेश, (2) छत्तीसगढ़ अधिनियम, (3) संसद् के अधिनियम, (ग) (1) प्रारूप नियम, (2) अंतिम नियम.

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग

मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 25 अगस्त 2023

क्रमांक ई 1-01/2023/एक-2.—राज्य शासन एतद्वारा श्री पी. एस. ध्रुव, भा.प्र.से. (2013), संयुक्त सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार संयुक्त सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सदस्य-सचिव, पेंशन निराकरण समिति का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
कमलप्रीत सिंह, सचिव.

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-4/2018/18.—छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (क्रमांक 37 सन् 1961) की धारा 5 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन एतद्वारा निम्न अनुसूची में वर्णित ग्राम पंचायत को नगर पंचायत जरहागांव, जिला-मुंगेली गठित करने का अभिप्राय प्रकट करता है :—

अनुसूची-1

नगर पंचायत जरहागांव की सीमा में सम्मिलित किये जाने वाले क्षेत्र का विवरण निम्नानुसार है :—

क्रमांक	ग्राम पंचायत का नाम	जनसंख्या वर्ष 2011
1	ग्राम पंचायत जरहागांव	4202

अनुसूची-2

नगर पंचायत जरहागांव की प्रस्तावित सीमाएं निम्नानुसार है :—

ग्राम पंचायत जरहागांव की सीमाएं ही नगर पंचायत जरहागांव की सीमाएं होंगी.

उक्त अधिसूचना के छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित होने के दिनांक से 21 दिन के भीतर कोई भी स्थानीय प्राधिकारी अथवा कोई भी व्यक्ति अपनी आपत्ति/सुझाव कलेक्टर-मुंगेली को उनके कार्यालय में राज्य शासन के विनिश्चय हेतु कार्यालयीन दिवस एवं समय पर प्रस्तुत कर सकते हैं.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-4/2018/18.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 1-4/2018/18 दिनांक 11-09-2023 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

Nava Raipur Atal Nagar the 11th September 2023

No. F 1-4/2018/18.—In exercise of powers conferred by section 5 of Chhattisgarh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961) the State Government, hereby, intend to Constitute Gram Panchayat Jarhagaon as Nagar Panchayat

Jarhagaon in District-Mungeli as per the Schedule given below :—

SCHEDULE-1

The particulars of areas to be included in the limits of Nagar Panchayat Jarhagaon is as under :—

S. No.	Name of Gram panchayat	population year 2011
1	Gram Panchayat Jarhagaon	4202

SCHEDULE-2

The boundaries of the proposed Nagar Panchayat Jarhagaon is as under :—

The Boundaries of the Nagar Panchayat Jarhagaon shall be the boundaries of Gram Panchayat Jarhagaon.

Any person or any local authority may submit his objection/Suggestion in writing to the Collector, District-Mungeli on any official day and time within 21 days from the date of Publication in “Chhattisgarh Rajpatra” for the consideration of State Government.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
P. S. DHRUV, Joint Secretary.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-9/2023/18.—छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (क्रमांक 37 सन् 1961) की धारा 5 सहपठित धारा 5-क में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन एतद्वारा निम्न अनुसूची में वर्णित क्षेत्र को नगर पंचायत माना-कैम्प, जिला-रायपुर की सीमा में शामिल करते हुए नगर पालिका माना-कैम्प गठित करने का अभिप्राय प्रकट करता है :—

अनुसूची-1

प्रस्तावित नगर पालिका माना-कैम्प की सीमा में सम्मिलित किए जाने वाले क्षेत्र का विवरण निम्नानुसार है :—

स.क्र.	नगर पालिका माना-कैम्प में सम्मिलित किये जाने वाले क्षेत्र का विवरण	जनसंख्या (वर्ष 2011)
1	नगर पंचायत माना-कैम्प	11953
2	ग्राम पंचायत टेमरी	2672
3	ग्राम पंचायत बनरसी	1456

अनुसूची-2

माना-कैम्प नगर पालिका की सीमाएं निम्नानुसार होंगी :—

ग्राम पंचायत टेमरी, बनरसी की सीमा एवं नगर पंचायत माना-कैम्प की सीमाएं ही नगर पालिका माना-कैम्प की सीमा होंगी.

उपरोक्त आशय के छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित होने के दिनांक से 21 दिन के भीतर कोई भी स्थानीय प्राधिकारी अथवा व्यक्ति अपनी आपत्ति/सुझाव लिखित में कलेक्टर रायपुर को उनके कार्यालय में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर राज्य शासन के विनिश्चय हेतु प्रस्तुत कर सकते हैं.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-9/2023/18.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 1-9/2023/18 दिनांक 11-09-2023 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

Nava Raipur Atal Nagar the 11th September 2023

No. F 1-9/2023/18.—In exercise of the powers conferred by section 5 read with section 5(A) of Chhattisgarh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961) the State Government, hereby, intend to include the following areas in the boundary of Nagar Panchayat Mana-Camp, District-Raipur as per Schedule given below and signify their intention to constitute Nagar Palika Mana-Camp :—

SCHEDULE-1

The particulars of areas to be included in limits of Nagar Palika Mana-Camp is as under :—

S. No.	Proposed areas to be included in Nagar Palika Mana-Camp	population (year 2011)
1	Mana-Camp Nagar Panchayat	11963
2	Gram Panchayat Temri	2672
3	Gram Panchayat Banrasi	1456

SCHEDULE-2

The Revised boundary of Nagar Palika Mana-Camp is as under :—

The boundaries of Nagar Palika Mana-Camp shall include the boundaries of Gram Panchayat Temri, Banrasi and Nagar Panchayat Mana-Camp.

Any person or any local authority may submit his Suggestion/objection in writing to the Collector, District-Raipur on any official day and time within 21 days from the date of Publication in the “Chhattisgarh Rajpatra” for the consideration of the State Government.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
P. S. DHRUV, Joint Secretary.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-221/2019/18.—छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (क्रमांक 37 सन् 1961) की धारा 5 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन एतद्वारा निम्न अनुसूची में वर्णित ग्राम पंचायत को नगर पंचायत कोसीर, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ गठित

करने का अभिप्राय प्रकट करता है :—

अनुसूची-1

नगर पंचायत कोसीर की सीमा में सम्मिलित किये जाने वाले क्षेत्र का विवरण निम्नानुसार है :—

क्रमांक	ग्राम पंचायत का नाम	जनसंख्या वर्ष 2011
1	ग्राम पंचायत कोसीर	4755

अनुसूची-2

नगर पंचायत कोसीर की प्रस्तावित सीमाएं निम्नानुसार है :—

ग्राम पंचायत कोसीर की सीमाएं ही नगर पंचायत कोसीर की सीमाएं होंगी.

उक्त अधिसूचना के छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित होने के दिनांक से 21 दिन के भीतर कोई भी स्थानीय प्राधिकारी अथवा कोई भी व्यक्ति अपनी आपत्ति/सुझाव कलेक्टर-सारंगढ़-बिलाईगढ़ को उनके कार्यालय में राज्य शासन के विनिश्चय हेतु कार्यालयीन दिवस एवं समय पर प्रस्तुत कर सकते हैं.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-221/2019/18.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 1-221/2019/18 दिनांक 11-09-2023 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

Nava Raipur Atal Nagar the 11th September 2023

No. F 1-221/2019/18.—In exercise of powers conferred by section 5 of Chhattisgarh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961) the State Government, hereby, intend to Constitute Gram Panchayat Koseer as Nagar Panchayat Koseer in District-Sarangarh-Bilaigarh as per the Schedule given below :—

SCHEDULE-1

The particulars of areas to be included in the limits of Nagar Panchayat Koseer is as under :—

S. No.	Name of Gram panchayat	population year 2011
1	Gram Panchayat Koseer	4755

SCHEDULE-2

The boundaries of the proposed Nagar Panchayat Koseer is as under :—

The Boundaries of the Nagar Panchayat Koseer shall be the boundaries of Gram Panchayat Koseer.

Any person or any local authority may submit his objection/Suggestion in writing to the Collector, District-Sarangarh-Bilaigarh on any official day and time within 21 days from the date of Publication in “Chhattisgarh Rajpatra” for the consideration of State Government.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
P. S. DHRUV, Joint Secretary.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 20 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-6/2020/18.—छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (क्रमांक 37 सन् 1961) की धारा 5 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन एतद्वारा निम्न अनुसूची में वर्णित ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बम्हनीडीह जिला-जांजगीर-चांपा गठित करने का अभिप्राय प्रकट करता है :—

अनुसूची-1

नगर पंचायत बम्हनीडीह में सम्मिलित किये जाने वाले क्षेत्र का विवरण निम्नानुसार है :—

क्रमांक	ग्राम पंचायत का नाम	जनसंख्या वर्ष 2011
1	बम्हनीडीह	5486

अनुसूची-2

नगर पंचायत बम्हनीडीह की सीमाएं निम्नानुसार प्रस्तावित है :—

ग्राम पंचायत बम्हनीडीह की सीमाएं ही नगर पंचायत बम्हनीडीह की सीमाएं होंगी.

उपरोक्त आशय के छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित होने के दिनांक से 21 दिन के भीतर कोई भी स्थानीय प्राधिकारी अथवा कोई भी व्यक्ति उक्त आशय के विषय में अपनी आपत्ति/सुझाव कलेक्टर-जांजगीर-चांपा को उनके कार्यालय में राज्य शासन के विनिश्चय हेतु कार्यालयीन दिवस एवं समय पर प्रस्तुत कर सकते हैं.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 20 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-6/2020/18.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 1-6/2020/18 दिनांक 20-09-2023 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

Nava Raipur Atal Nagar the 20th September 2023

No. F 1-6/2020/18.—In exercise of powers conferred by section 5 of Chhattisgarh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961) the State Government, hereby, intend to Constitute Nagar Panchayat Bamhanidih in District-Janjgir-Champa as per Schedule given below :—

SCHEDULE-1

The particulars of areas to be include in limits of Nagar Panchayat Bamhanidih is as under :—

S. No.	Name of Gram panchayat	population year 2011
1	Bamhanidih	5486

SCHEDULE-2

The boundaries of the proposed Nagar Panchayat Bamhanidih is as under :—

The Boundaries of the Nagar Panchayat Bamhanidih shall be the boundaries of existing Gram Panchayat Bamhanidih.

Any person or any local authority may submit his objection/Suggestion in writing to the Collector, District-Janjgir-Champa on any official day and time within 21 days from the date of Publication in “Chhattisgarh Rajpatra” for the consideration of State Government.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
P. S. DHRUV, Joint Secretary.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 20 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-19/2023/18.—छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (क्रमांक 37 सन् 1961) की धारा 5 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन एतद्वारा निम्न अनुसूची में वर्णित ग्राम पंचायतों को सम्मिलित कर नगर पंचायत गोंडखाम्ही, जिला-मुंगेली गठित करने का अभिप्राय प्रकट करता है :—

अनुसूची-1

नगर पंचायत गोंडखाम्ही में सम्मिलित किये जाने वाले क्षेत्र का विवरण निम्नानुसार है :—

क्रमांक	ग्राम पंचायत का नाम	जनसंख्या वर्ष 2011
1	गोंडखाम्ही	4207
2	गाडाटोला	1065

अनुसूची-2

नगर पंचायत गोंडखाम्ही की सीमाएं निम्नानुसार प्रस्तावित है :—

ग्राम पंचायत गोंडखाम्ही एवं गाडाटोला की सीमाएं ही नगर पंचायत गोंडखाम्ही की सीमाएं होंगी.

उपरोक्त आशय के छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित होने के दिनांक से 21 दिन के भीतर कोई भी स्थानीय प्राधिकारी अथवा कोई भी व्यक्ति उक्त आशय के विषय में अपनी आपत्ति/सुझाव कलेक्टर-मुंगेली को उनके कार्यालय में राज्य शासन के विनिश्चय हेतु कार्यालयीन दिवस एवं समय पर प्रस्तुत कर सकते हैं.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 20 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-19/2023/18.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 1-19/2023/18 दिनांक 20-09-2023 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

Nava Raipur Atal Nagar the 20th September 2023

No. F 1-19/2023/18.—In exercise of powers conferred by section 5 of Chhattisgarh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961) the State Government, hereby, intend to Constitute Nagar Panchayat Gondkhamhi in District-Mungeli as per Schedule given below :—

SCHEDULE-1

The particulars of areas to be included in limits of Nagar Panchayat Gondkhamhi is as under :—

S. No.	Name of Gram panchayat	population year 2011
1	Gondkhamhi	4207
2	Gadatola	1065

SCHEDULE-2

The boundaries of the proposed Nagar Panchayat Gondkhamhi is as under :—

The Boundaries of the Nagar Panchayat Gondkhamhi shall be the boundaries of existing Gram Panchayat Gadatola and Gondkhamhi.

Any person or any local authority may submit his objection/Suggestion in writing to the Collector, District-Mungeli on any official day and time within 21 days from the date of Publication in “Chhattisgarh Rajpatra” for the consideration of State Government.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
P. S. DHRUV, Joint Secretary.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 20 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-26/2023/18.—छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (क्रमांक 37 सन् 1961) की धारा 5 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन एतद्वारा निम्न अनुसूची में वर्णित ग्राम पंचायत को नगर पंचायत पटना, जिला-कोरिया गठित करने का अभिप्राय प्रकट करता है :—

अनुसूची-1

नगर पंचायत पटना की सीमा में सम्मिलित किये जाने वाले क्षेत्र का विवरण निम्नानुसार है :—

क्रमांक	ग्राम पंचायत का नाम	जनसंख्या वर्ष 2011
1	ग्राम पंचायत पटना	5124

अनुसूची-2

नगर पंचायत पटना की प्रस्तावित सीमाएं निम्नानुसार है :—

ग्राम पंचायत पटना की सीमाएं ही नगर पंचायत पटना की सीमाएं होंगी.

उक्त अधिसूचना के छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित होने के दिनांक से 21 दिन के भीतर कोई भी स्थानीय प्राधिकारी अथवा कोई भी व्यक्ति अपनी आपत्ति/सुझाव कलेक्टर-कोरिया को उनके कार्यालय में राज्य शासन के विनिश्चय हेतु कार्यालयीन दिवस एवं समय पर प्रस्तुत कर सकते हैं.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 20 सितम्बर 2023

क्रमांक एफ 1-26/2023/18.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 1-26/2023/18 दिनांक 20-09-2023 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एस. ध्रुव, संयुक्त सचिव.

Nava Raipur Atal Nagar the 20th September 2023

No. F 1-26/2023/18.—In exercise of powers conferred by section 5 of Chhattisgarh Municipalities Act, 1961 (No. 37 of 1961) the State Government, hereby, intend to Constitute Gram Panchayat Patna as Nagar Panchayat Patna in District-Koriya as per the Schedule given below :—

SCHEDULE-1

The particulars of areas of to be included in the limits of Nagar Panchayat Patna is as under :—

S. No.	Name of Gram panchayat	population year 2011
1	Gram panchayat Patna	5124

SCHEDULE-2

The boundaries of the proposed Nagar Panchayat Patna is as under :—

The Boundaries of the Gram Panchayat Patna shall be the boundaries of Nagar Panchayat Patna.

Any person or any local authority may submit his objection/Suggestion in writing to the Collector, District-Koriya on any official day and time within 21 days from the date of Publication in “Chhattisgarh Rajpatra” for the consideration of State Government.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
P. S. DHRUV, Joint Secretary.

LAW AND LEGISLATIVE AFFAIRS DEPARTMENT
Mantralaya, Mahanadi Bhawan, Atal Nagar, Nava Raipur

Nava Raipur, the 11th September 2023

F. No. 10942/3261/XXI-B/C.G./2023.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Family Courts Act, 1984 (No. 66 of 1984), the State Government, hereby, with the concurrence of the Hon'ble High Court of Chhattisgarh and in compliance of Memo No. 1327/II-2-2/2007/II-15-2/2005 (Pt.III)/II-2-101/2001, Bilaspur, Dated, 07th September, 2023, hereby, withdrawing the service of the following member of Higher Judicial Service as specified in column (2) of the Schedule below from Transport Department, appoints him as Judge, Family Court, as mentioned in column (3) of the Schedule, from the date he assumes charge of the office, namely :—

S. No. (1)	Name of Judicial Officer with present place of posting (2)	Name of the Court (3)
1.	Shri Onkar Prasad Gupta, Presiding Officer, State Transport Appellate Tribunal, Raipur	Judge, Family Court, Korba

Nava Raipur, the 11th September 2023

F. No. 10944/3261/XXI-B/C.G./2023.—The State Government, on recommendation of the Hon'ble High Court of Chhattisgarh vide their Memo No. 1327/II-2-2/2007/II-15-2/2005 (Pt.-III)/II-2-101/2001, Bilaspur, Dated 07th September, 2023, hereby withdraws the services of Smt. Shradha Singh Shrivastava, Civil Judge Class-II, Sakti, from High Court of Chhattisgarh, places her under Law and Legislative Affairs Department on Deputation and appoints her as Deputy Secretary, Government of Chhattisgarh, Law and Legislative Affairs Department, Atal Nagar, Nava Raipur, on deputation from the date she assumes charge of the office.

Nava Raipur, the 11th September 2023

F. No. 10946/3261/XXI-B/C.G./2023.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Family Courts Act, 1984 (No. 66 of 1984), the State Government, hereby, with the concurrence of the Hon'ble High Court of Chhattisgarh and in compliance of Memo No. 1327/II-2-2/2007/II-15-2/2005 (Pt.III)/II-2-101/2001, Bilaspur, Dated, 07th September, 2023, hereby, appoints the following member of Higher Judicial Service as specified in column (2) of the Schedule below as principal Judge, Family Court, as mentioned in column (3) of the Schedule, from the date he assumes charge of the office, namely :—

S. No. (1)	Name of Judicial Officer with present place of posting (2)	Name of the Court (3)
1.	Shri Shyam Lal Nawratana, I Additional Principal Judge, Family Court, Bilaspur.	Princilal Judge, Family Court, Bilaspur.

Nava Raipur, the 11th September 2023

F. No. 10948/3261/XXI-B/C.G./2023.—In compliance of Memo No. 1327/II-2-2/2007/II-15-2/2005 (Pt.-III)/II-2-101/2001, Bilaspur, Dated 07th September, 2023, and on recommendation of the Hon'ble High Court of Chhattisgarh, the State Government, hereby, withdrawing the services of Shri Jaideep Vijay Nirmonkar, District and Sessions Judge, Balrampur at Ramanujganj from the High Court of Chhattisgarh, appoints him on deputation as Chairman, Permanent Lok Adalat, Jagdalpur from the date he assumes charge of his office.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
RAJNISH SHRIVASTAVA, Principal Secretary.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन,
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

सुकमा, दिनांक 4 अगस्त 2023

रा.प्र.क्रमांक/3003/202201190300014/अ-82/2021-22.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात् अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 11 की उप-धारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन एतद्द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अंतर्गत दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

भूमि का वर्णन				धारा 12 के द्वारा	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
सुकमा	गादीरास	जीरमपाल प.ह.नं.-12	0.428	अनुविभागीय अधिकारी (रा.), सुकमा जिला सुकमा (छ.ग.)	ग्राम चिन्नापारा से जीरमपाल मार्ग के कि.मी. 3/4 स्थित मलगेर नदी पर प्रस्तावित उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निर्धारण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सुकमा के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
हरीस. एस. कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला महासमुन्द, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन,
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

महासमुन्द, दिनांक 20 सितम्बर 2023

क्रमांक 276/क/कले./भू-अर्जन/04 अ-82 वर्ष 2022-23.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात् अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 11 की उप-धारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन एतद्द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 के अंतर्गत दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

भूमि का वर्णन				धारा 12 के द्वारा	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
महामसुन्द	पिथौरा	बिजेपुर प.ह.नं.-45	0.62	कार्यपालन अभियन्ता जल संसाधन संभाग, महासमुन्द.	लोवर जोंक बैराज योजना दांयी तट नहर निर्माण अन्तर्गत उतेकेल माईनर निर्माण कार्य हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, पिथौरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
प्रभात मलिक, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला-महासमुन्द, छत्तीसगढ़
एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व
एवं आपदा प्रबंधन विभाग

महासमुन्द, दिनांक 13 सितम्बर 2023

क्रमांक 272/कले./भू.-अ./अविअ भू-अ.प्र.क्र. 06 अ-82/2022-23.— चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात् अधिनियम, 2013 कहा जावेगा) की धारा 19 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-महासमुन्द
(ख) तहसील-पिथौरा
(ग) नगर/ग्राम-सांकरा, प.ह.नं. 45
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.03 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
237	0.03
योग	1 0.03

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-लोवर जोंक बैराज योजना हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.), पिथौरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

महासमुन्द, दिनांक 15 सितम्बर 2023

क्रमांक 273/कले./भू.-अ./अविअ भू-अ.प्र.क्र. 05 अ-82/2022-23.— चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात् अधिनियम, 2013 कहा जावेगा) की धारा 19 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-महासमुन्द
(ख) तहसील-पिथौरा
(ग) नगर/ग्राम-देवसराल, प.ह.नं. 44
(घ) लगभग क्षेत्रफल-3.25 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
1267	0.25
1272	0.21
1159	0.05
1273	0.04
1235/1	0.05
1305	0.07
1301	0.07
1302/5	0.01
1231	0.02
1298	0.03
1299	0.04
1300	0.03
1234	0.02
1233/2	0.07
1230	0.05
1175	0.06
1173	0.02
1174	0.07
1156/1	0.01
1171	0.01
1161	0.13
1147	0.02
683	0.01
1146	0.01
1145	0.06
1130	0.01
1131	0.01
1132	0.11
781	0.10
711	0.16
708	0.03
702/2	0.05
702/3	0.01
702/1	0.04

(1)	(2)
673	0.06
685	0.01
688	0.03
695/2	0.01
695/1	0.04
681	0.01
1262/2	0.11
682	0.01
684	0.01
1143	0.01
687	0.02
1262/1	0.28
1255/2	0.13
1258/29	0.02
1258/28	0.05
1262/3	0.01
1256	0.15
1258/37	0.04
1258/12	0.11
1258/15	0.04
1258/34	0.02
1258/32	0.03
1258/22	0.06
1258/16	0.04
1258/2	0.08
योग	59 3.25

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-लोवर जोंक बैराज योजना हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.), पिथौरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

महासमुन्द, दिनांक 20 सितम्बर 2023

क्रमांक 275/अ.वि.अ./भू-अर्जन/01 अ-82/वर्ष 22-23.— चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात् अधिनियम, 2013 कहा जावेगा) की धारा 19 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-महासमुन्द

(ख) तहसील-पिथौरा

(ग) नगर/ग्राम-सागुनढांप टुकड़ा राजाकटेल,
प.ह.नं. 45

(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.22 हेक्टेयर

खसरा नम्बर

रकबा

(हेक्टेयर में)

(1)

(2)

177/3

0.05

177/1

0.10

92/1

0.07

योग

3

0.22

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-लोवर जोंक बैराज योजना हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.), पिथौरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

प्रभात मलिक, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला-बिलासपुर, छत्तीसगढ़
एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व
एवं आपदा प्रबंधन विभाग

बिलासपुर, दिनांक 27 सितम्बर 2023

क्रमांक/18/अ-82/2022-23.— चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात् अधिनियम, 2013 कहा जावेगा) की धारा 19 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची	(1)	(2)
(1) भूमि का वर्णन—	85/9	0.081
(क) जिला-बिलासपुर	योग	02
(ख) तहसील-सकरी		0.389
(ग) नगर/ग्राम-सैदा, प.ह.नं. 41		
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.389 हेक्टेयर		
खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तखतपुर के कार्यालय में किया जा सकता है।
(1)	(2)	
83/9	0.308	छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, संजीव कुमार झा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

विभाग प्रमुखों के आदेश

कार्यालय कलेक्टर (भू-अर्जन) जिला सूरजपुर (छ.ग.)

सूरजपुर, दिनांक 20 जुलाई 2023

प्रारूप-II

[नियम 5 (1) देखें]

क्रमांक 202109260400011.—समुचित सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजन के लिए ग्राम जूर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर निजी एवं शासकीय भूमि कुल 4.434 हे. भूमि अपेक्षित है, आवेदक कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग सूरजपुर द्वारा सामाजिक समाघात मूल्यांकन अध्ययन (SIA) यूनिट द्वारा किया गया था और नियम 4 के अधीन यथा विवरित कलेक्टर द्वारा गठित एक दल द्वारा एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी थी/प्रारम्भिक अन्वेषण किया गया था. सामाजिक समाघात मूल्यांकन रिपोर्ट/प्रारंभिक जांच का सार इस प्रकार है (सामाजिक समाघात मूल्यांकन रिपोर्ट की एक प्रति संलग्न है) :—

औद्योगिक प्रयोजन हेतु भूमि अर्जन के कारण किसी भी परिवार कुटुम्बों के विस्थापित होने कि संभावना नहीं है, विस्थापन निरंक है.

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) को प्रभावित कुटुम्बों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजन हेतु प्रशासक के रूप में नियुक्त किया जाता है. अतः जिला सूरजपुर तहसील भैयाथान के ग्राम जूर में नवगई एनीकट के निर्माण अन्तर्गत डुब क्षेत्र तथा एप्रोच रोड हेतु 4.434 हे. माप के भूखंड जिसका विवरण निम्नानुसार है, का अर्जन किया जाता है :—

क्र.	सर्वेक्षण संख्या	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन का क्षेत्र हे. में	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता	सीमाएं			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	उ.	द.	प.	पू.
						(7)	(8)	(9)	(10)
1.	1257	भूमि स्वामी	असिंचित	0.04	गंगाराम, तुलसीदास पिता बचन, रगमेन पति बचन, रामदीन पिता सोनसाय जाति रजवार सा. देह भूमि स्वामी	खसरा क्र. 1282/1	गोबरी नदी	खसरा क्र. 1256/1	खसरा क्र. 1277, 1274/1

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2	1258	भूमि स्वामी	असिंचित	0.07	सत्यनारायण, शिवनारायण, दीपक, मनोहर, मनोज पिता इन्द्रजीत, फुलकुंवर, पति इन्द्रजीत, देवसाय पिता अतवारी, रामजीत पिता इंदल जाति गोंड सा. देह भूमि स्वामी	1257	गोबरी नदी	1257	1259, 1273
3	1259	भूमि स्वामी	असिंचित	0.084	द्वारिका, रामसुंदर पिता सोनई, रामसुभग, राजेश्वर पिता रामप्यारी, फुलबेस बेवा रामप्यारी, फुलकुंवर, सोनमती, हीरामती पुत्री रामप्यारी जाति तेली सा.देह भूमि स्वामी	1273	गोबरी नदी	1258	1260/1
4	1274/1	भूमि स्वामी	असिंचित	0.01	रामसेवक आ. रामखेलावन जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1277	1273	1257	1274/2
5	1595, 1796, 1681	भूमि स्वामी	असिंचित	0.02, 0.61, 0.12	सोनामती, मानमती पिता रामसुन्दर, राजेन्द्र, पिता शिवशरन, विफईया पति शिवशरन, शिवनाथ, शोभनाथ पिता मनधारी, कृष्ण कुमार, कृष्णचंद, पिता रामअधीन, रूईली पति रामअधीन सा. देह भूमि स्वामी	1294/1, 1792/1, 1782, 1604, 1605	1296, 1797, 1682	1612 1613, 1794, 1795/3, 1680/1	गोबरी नदी
6	1596	भूमि स्वामी	असिंचित	0.24	विश्वनाथ पिता दुलेश्वर, रामशिरोमन पिता रामलखन, संतोष पिता रामलखन, सुशीला पति रामलखन, रामनारायण पिता परसराम, सुगजिया पति दुलेश्वर, सीपीय पति दुलेश्वर, सुखारजिया पति दुलेश्वर, इतवारिया पति दुलेश्वर, बंशीलाल पति धनेश्वर, बसंत पिता धनेश्वर, मोतीलाल ललन पिता बैजनाथ, पार्वती पति बैजनाथ जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1595	1597, 1598	1612, 1613	गोबरी नदी

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
7	1597	भूमि स्वामी	असिंचित	0.02	रामजनम पिता बघोलन जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1596	1599	1598	गोबरी नदी
8	1599	भूमि स्वामी	असिंचित	0.01	महावीर पिता रामसहाई जाति तेली	1598, 1597	1600, 1601	1602	गोबरी नदी
9	1602	भूमि स्वामी	असिंचित	0.02	भगताराम, हिरमन, जिरमन, नानदईया, शिवकुमारी पिता रामचरन जाति बरगाह सा. देह, भूमि स्वामी	1607	1604, 1603	1604	1599, 1601
10	1603, 1613, 1682	भूमि स्वामी	असिंचित	0.09, 0.008, 0.12	दिलबसिया पुत्री जलिया, भगवान बेवा जलिया, सुखराम आ. बीरसाय, धोसिन बेवा वीरसाय, नारायन आ. हीरसाय जाति गोड सा. देह भूमि स्वामी	1601, 1600, 1614/1, 1680/1, 1681	1604, 1612, 1683 1684/1, 16814/2	1604, 1611, 1692	गोबरी नदी 1696
11	1604	भूमि स्वामी	असिंचित	0.08	माथुरराम पिता शेषमन, राजेश पिता भण्डारी, सवितर पति भण्डारी राम, रामसुमेर पिता शेषमन, रामसुभग पिता शेषमन, सतमनिया पति शेषमन, जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1607	1681	1605, 1606,	1602, 1603
12	1610	भूमि स्वामी	असिंचित	0.008	शंखलाल, राजपाल, रामबिलास आ. रामखेलाव रामखेलावन, दसमतिया पति रामखेलावन जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1617/2	1609, 1611	1677	1614/1
13	1614	भूमि स्वामी	असिंचित	0.024	सोनसाय आ. चंद्रमन, शंखलाल, राजपाल, रामबिलास आ. रामखेलावन, दसमतिया बेवा रामखेलावन, विनेसर, यदुनन्दन, हंसलाल आ. मोहन, दीपक आ. वंशलाल, शिवपति पत्नि वंशलला जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1614/2, 1617/2	1611 1613	1610	1595

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
14	1684/2	भूमि स्वामी	असिंचित	0.11	रामप्यारी, गुलाब आ. रामसरन जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1682	1685, 1688	1684/1	गोबरी नदी
15	1685, 1687/2	भूमि स्वामी	असिंचित	0.18, 0.24	रामचरितर आ. बुधु जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1684/2	1687/2	1688	गोबरी नदी
16	1708	भूमि स्वामी	असिंचित	0.18	भागीरथी, रामरतन आ. अमरजीत, जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1706/2, 1687/1	1711/4, 1711/3	1707, 1709	गोबरी नदी
17	1711	भूमि स्वामी	असिंचित	0.16	जगदीश, गुलाब, रामा, लक्ष्मण पिता रंजीत जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1708, 1709, 1710/1	1712/4, 1217/5, 1713	1710/2	गोबरी नदी
18	1687/1	भूमि स्वामी	असिंचित	0.10	रामकुमार आ. रामप्यारी जाति चमार सा. देह भूमि स्वामी	1687/2, 1688	1708	1708/1, 1706/2	गोबरी नदी
19.	1712/3	भूमि स्वामी	असिंचित	0.13	कन्हईलाल, सूरजलाल, लक्ष्मी नारायण पिता सुमेर, मनिया पति सुमेर, जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1713	1782	1712/2,	1712/4
20	1712/4	भूमि स्वामी	असिंचित	0.23	मन्तुराम आ. सुखनन्दन जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1711/3	1782	1712/3	1712/5
21	1712/5	भूमि स्वामी	असिंचित	0.22	रामदुलार आ. सुखनन्दन जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1711/3, 1711/4	1782	1712/4	गोबरी नदी
22	1713	भूमि स्वामी	असिंचित	0.09	सुमारो पुत्री सुरजन जाति गोड सा. देह भूमि स्वामी	1714, 1710/3, 1711/1, 1711/2	1712/1, 1712/2	1765	1712/3
23	1782	भूमि स्वामी	असिंचित	0.13	रामचरितर आ. सुखनन्दन जाति तेली सा. देह भूमि स्वामी	1712/1, 1712/2, 1712/3, 1712/4, 1712/5	1796	1781, 1783, 1792/1	1686

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
24	1249	शासकीय भूमि	असिंचित	0.090	शासकीय भूमि	1256/1	गोबरी नदी	1250	1257
25	1247/1	शासकीय भूमि	असिंचित	1.000	शासकीय भूमि	1247/2, 1247/21, 1247/28 1247/6, 1247/5, 1247/17, 1284, 1247/26	गोबरी नदी	1247/21	1252, 1253, 1256/1
योग				4.434					

वृक्ष	
किस्म	संख्या
निरंक	निरंक

संरचनाएं	
प्रकार	प्लिंथ एरिया
निरंक	निरंक

यह अधिसूचना इससे संबंधित सभी व्यक्तियों के लिए भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का 30) की धारा 11 (1) के उपबंधों के अधीन जारी की गई है।

भूमि से संबंधित रेखांकन कलेक्टर के कार्यालय में और अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भैयाथान को किसी भी कार्य दिवस को कार्य समय के दौरान देखा जा सकता है।

सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं विनिर्दिष्ट अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भैयाथान और उनके कर्मचारियों को भूमि में प्रवेश करने और उसका सर्वेक्षण करने किसी भी भूमि के स्तर लेने, अवमृदा में खुदाई करने या वेधन करने और अपने कार्य के उचित निष्पादन के लिए अपेक्षित सभी अन्य कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना किसी ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नहीं करेगा या कोई भी संव्यवहार नहीं होने देगा अर्थात् क्रय/विक्रय आदि नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।

अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 (साठ) दिनों के भीतर किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर के समक्ष आक्षेप यदि कोई हों फाइल किए जा सकेंगे।

संजय अग्रवाल,
कलेक्टर.

ऊर्जा विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर

क्रमांक 2411/एफ-20/01/2017/13/2

नवा रायपुर, दिनांक 6 अक्टूबर 2023

विषय :- चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेफ्टी इंजीनियर (सीईएसई) को अधिकृत किये जाने हेतु दिशा-निर्देश.

यतः विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 162 अंतर्गत समुचित सरकार, अधिसूचना द्वारा, सम्यक्तः अर्हित व्यक्तियों को विद्युत निरीक्षक नियुक्त करने और इस प्रकार नियुक्त प्रत्येक विद्युत निरीक्षक, इस अधिनियम के अधीन ऐसे क्षेत्रों के भीतर या ऐसे संकर्म तथा विद्युत संस्थापनों के वर्ग के सम्बन्ध में और ऐसे निर्बंधनों के अधीन रहते हुए, जो समुचित सरकार निर्देश दे, मुख्य विद्युत निरीक्षक या विद्युत निरीक्षक की शक्तियों का प्रयोग और कृत्यों का पालन करने या ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग और ऐसे अन्य कृत्यों का पालन करने जो विहित किए जाए के दायित्व निहित है;

और यह कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा और विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) विनियम, 2010 के विनियम 5(ए) के अन्तर्गत समुचित सरकार को इन विनियमों के विनियम 30 और विनियम 43 के अधीन स्व-प्रमाणीकरण के प्रयोजन हेतु इलेक्ट्रिकल प्रतिष्ठानों के स्वामी या आपूर्तिकर्ता अथवा उपभोक्ता की सहायता करने के लिए विनियम (5) के उप-विनियम (2) में यथा विनिर्दिष्ट अर्हता और अनुभव रखने वाले विद्युत सुरक्षा अभियंताओं को प्राधिकृत कर सकने की शक्ति प्रदत्त है;

और यह कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा और विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) विनियम, 2010 के विनियम 30, विनियम 32 एवं विनियम 43 के अन्तर्गत प्रतिष्ठानों की समय-समय पर जाँच और परीक्षण, विद्युत उत्पादक ईकाइयों की स्थापना और जाँच एवं विद्युत प्रतिष्ठानों और उपकरणों के निरीक्षण हेतु इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर को अधिकृत किया गया है;

और यह कि राज्य शासन द्वारा, विनियम-43 हेतु 650 वोल्ट को उस वोल्टेज के रूप में एवं विनियम-30 व 32 हेतु 100 केव्हीए जनरेटर हेतु अधिसूचित की गई है, जिससे अधिक के विद्युत संस्थापन को, जिनमें आपूर्तिकर्ता या उपभोक्ता के संस्थापना भी सम्मिलित हैं, में विद्युत सेवा के पूर्व निरीक्षण एवं जाँच उपरांत अनापत्ति जारी करने के लिए विद्युत निरीक्षक को अधिकृत किया गया है. परंतु यह और कि अधिसूचित और इससे कम वोल्टेज के प्रत्येक विद्युत संस्थापन के लिए निरीक्षण स्वप्रमाणित की जायेगी. इस प्रयोजन हेतु छ.ग. अनुज्ञापन मंडल (विद्युत) से ऐसे पर्यवेक्षण क्षमता प्रमाण पत्र धारकों को, जो विद्युत इंजीनियरिंग में स्नातक उपाधि धारण करते हों और विद्युत संस्थापनों की स्थापना, प्रचालन और रखरखाव में न्यूनतम 05 वर्ष का अनुभव रखते हो, चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में उक्त विनियम, के विनियम 5 (क) के अंतर्गत एक वर्ष की अवधि या चार्टर तैयार होने तक, जो भी पहले हो, प्राधिकृत किया गया है;

और यह कि भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा चार्टर्ड विद्युत सुरक्षा अभियंता को अधिकृत करने के संबंध में जारी दिशा-निर्देश क्रमांक सीईआई/1/2/2018/852-892 दिनांक 21.06.2018 की कंडिका 3 ए में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर स्नातक डिग्रीधारी के अतिरिक्त इलेक्ट्रिकल इंजीनियर डिप्लोमा धारक जो विहित अवधि के कार्यानुभव रखते हो को भी चार्टर्ड विद्युत सुरक्षा अभियंता के रूप में प्राधिकृत हेतु पात्र रखा गया है;

अतः विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 162 एवं केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा और विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) विनियम, 2010 की संगत प्रावधानों के पालन में राज्य सरकार चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेफ्टी इंजीनियर्स (चार्टर्ड विद्युत सुरक्षा अभियंता) (सीईएसई) को, अधिसूचित वोल्टेज तक विद्युत प्रतिष्ठान के स्व-प्रमाणन के लिए स्वामी या आपूर्तिकर्ता या उपभोक्ता की सहायता करने हेतु प्राधिकार देने के उद्देश्य हेतु दिशा निर्देश जारी करती है.

1. परिभाषाएं.—

(1) इस अधिसूचना में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेफ्टी इंजीनियर” या सीईएसई से अभिप्रेत है समुचित सरकार द्वारा अधिकृत व्यक्ति, जैसा कि सीईए सुरक्षा विनियमन 5ए में संदर्भित है;

(ख) “अधिसूचित वोल्टेज” से अभिप्रेत है समुचित सरकार द्वारा प्राधिकरण को सूचित करने के तहत वोल्टेज स्तर को निर्दिष्ट करने के उद्देश्य से अधिसूचित वोल्टेज, जिसका सीईए सुरक्षा विनियम 30 और विनियम 43 के तहत स्व-प्रमाणन किया जाना है; और

- (ग) शब्द और अभिव्यक्तियां, जो इन दिशा-निर्देशों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु विद्युत अधिनियम, 2003 और सीईए (सुरक्षा और विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) विनियम, 2010 में परिभाषित हैं, उनके क्रमशः वहीं अर्थ होंगे, जैसा कि उनके लिए समनुदेशित है।

2. प्राधिकरण.—

- (1) अधिसूचित वोल्टेज तक के विद्युत संस्थापन के स्व-प्रमाणन हेतु प्रतिष्ठान के स्वामी की सहायता हेतु पात्र एवं योग्य विद्युत अभियंता, मुख्य विद्युत निरीक्षक छत्तीसगढ़ द्वारा “चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर” के रूप में प्राधिकृत किये जायेंगे। उन्हें चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर सर्टिफिकेशन (सीईएसईसी) जारी किया जाएगा। साथ ही छत्तीसगढ़ के आपूर्तिकर्ता, स्वामी एवं उपभोक्ता की जानकारी के लिए अधिकृत चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर की सूची, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ की वेबसाइट पर समय-समय पर प्रकाशित की जायेगी।
- (2) कोई भी व्यक्ति, उप-खण्ड (1) के अधीन तब तक प्राधिकृत नहीं किया जायेगा, जब तक कि वह उसे सौंपे गए कर्तव्यों का पालन करने में सक्षम न हो और उसके पास विद्युत लाइसेंसिंग बोर्ड, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी उपयुक्त सक्षमता प्रमाण पत्र न हो।
- (3) कोई भी व्यक्ति, उप-खण्ड (1) के अधीन तब तक प्राधिकृत नहीं समझा जायेगा, जब तक कि उसका नाम मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ की वेबसाइट में प्रकाशित न किया गया हो तथा मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ द्वारा अनुरक्षित सूची में दर्ज न किया गया हो।

3. चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर के लिए योग्यता .— कोई भी व्यक्ति, चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर (सीईएसई) होने के लिए तब तक प्राधिकृत नहीं किया जायेगा, जब तक कि—

- (क) वह एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर डिग्री या समकक्ष डिग्री धारक के साथ ही विद्युत प्रतिष्ठान के संचालन और रखरखाव में कम से कम 5 वर्ष के अनुभव न हो और उसके पास इलेक्ट्रिकल सुरक्षा विनियमों के अनुपालन संबंधी कार्यों का ज्ञान भी होना चाहिए अथवा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा धारक के साथ विद्युत प्रतिष्ठान के निर्माण, संचालन और रखरखाव में कम से कम 10 वर्षों के कार्यानुभव न हो और उसके पास विद्युत सुरक्षा विनियमों के अनुपालन संबंधी कार्यों का ज्ञान भी होना चाहिए। अनुभव के प्रयोजन के लिए, नियोक्ता, जिसके अधीन उसने ऐसी अवधि के लिए कार्य किया है, के द्वारा, उसके किए गए कार्य की प्रकृति और वोल्टेज का वर्णन करते हुए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाएगा:

परंतु यह कि किसी उद्योग में कार्य करने वाले व्यक्ति के मामले में, कार्य की प्रकृति और वोल्टेज स्तर का वर्णन करने वाला अनुभव प्रमाण पत्र, उच्च तकनीकी प्राधिकारी, जो अधीक्षण अभियंता या महाप्रबंधक की श्रेणी से निम्न का न हो, से प्राप्त किया जाना है।

- (ख) वह अपेक्षित शुल्क का भुगतान करने के बाद इलेक्ट्रिकल लाइसेंसिंग बोर्ड, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित विहित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करेगा। परीक्षा की प्रक्रिया, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ द्वारा अधिसूचित विधि अनुसार संचालित की जाएगी। तथापि, सेवानिवृत्त मुख्य विद्युत निरीक्षक या विद्युत निरीक्षक, जो पहले से ही शासन द्वारा अधिसूचित थे, सीईएसई के लिए पात्र होंगे और उन्हें सीईएसई के रूप में प्रमाणन के लिए किसी भी परीक्षा/साक्षात्कार में शामिल होने से छूट दी जाती है।
- (ग) उसे केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा और विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) विनियम, 2010 और छत्तीसगढ़ राज्य में बिजली आपूर्ति से संबंधित अन्य प्रासंगिक अधिनियम और विनियमों का ज्ञान होना चाहिए।
- (घ) चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर, शासकीय/अर्धशासकीय/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या किसी भी संगठन में किसी भी पद को धारण नहीं करेगा, जिससे कि सीईएसई के कामकाज को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है।
- (ङ) विद्युत संस्थापनाओं के परीक्षण के लिए मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ द्वारा समय-समय पर निर्धारित बुनियादी परीक्षण उपकरण (जो कि अनुलग्नक-एक में दिए गए हैं) अथवा समय-समय पर विहित अनुसार, उनके पास सदैव रहेगा।

4. **कार्य का दायरा .-** चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा और विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) के विनियम, 2010 के विनियम 30, विनियम 32 और विनियम 43 के तहत अधिसूचित वोल्टेज तक स्व-प्रमाणन के उद्देश्य से स्वामी या आपूर्तिकर्ता या उपभोक्ता या विद्युत संस्थापनाओं की सहायता करेंगे। बशर्ते कि वे संस्थापनाएं, विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 54 के अंतर्गत न आते हों।
5. **चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर (सीईएसई) के प्रमाणन के लिए प्रक्रिया .-**
- (क) आवेदन-अधिसूचना पर, चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए शीर्ष "0043-00-102" के तहत ऑनलाईन इलेक्ट्रॉनिक ट्रेजरी चालान (ई-चालान) के माध्यम से निर्धारित शुल्क के साथ निर्धारित प्रारूप में एक आवेदन, अधिसूचित होने की तारीख के भीतर, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ को किया जाएगा:
- परंतु यह कि चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर के लिए प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित स्व-प्रमाणित दस्तावेज होंगे—
- (एक) आवेदक के पूरे चेहरे को दिखाते हुए सफेद पृष्ठभूमि के साथ नमूना हस्ताक्षर और तीन हालिया पासपोर्ट आकार के रंगीन फोटोग्राफ;
- (दो) आवेदक का पहचान प्रमाण जैसे पासपोर्ट, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड;
- (तीन) पते का प्रमाण जैसे आधार कार्ड या टेलीफोन बिल या बिजली बिल या बैंक पासबुक या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट;
- (चार) शैक्षणिक योग्यता संबंधी प्रतियां और जन्म तिथि का प्रमाण;
- (पांच) खंड 3 के इस उप-खंड (क) के तहत आवश्यक कार्य अनुभव का निर्धारित प्रारूप में प्रमाण पत्र
- (ख) समय एवं समय सारणी—चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर हेतु आवेदन, ऐसी तिथियों एवं ऐसी रीति से किया जायेगा, जैसा कि मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाये एवं स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित की जायेगी एवं कार्यालयीन वेबसाइट पर अपलोड की जायेगी।
- (ग) चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर का प्राधिकार प्रदान करना—चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर का प्राधिकार, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ द्वारा अनुमोदित व्यक्ति को, निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के अध्वधीन प्रदान किया जायेगा, अर्थात् :-
- (एक) आवेदक छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी होना चाहिए;
- (दो) आवेदक के पास खण्ड 3 के तहत यथा वांछित सभी योग्यताएं होनी चाहिए;
- (तीन) इलेक्ट्रॉनिक ट्रेजरी चालान के रूप में यथा विहित पंजीकरण शुल्क का भुगतान; और
- (चार) सभी तरह से पूर्ण आवश्यक संलग्नकों के साथ आवेदन पत्र जमा करना।
- (घ) चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर के लिए प्राधिकार की वैधता और नवीनीकरण—किसी भी चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर का प्राधिकार, पंजीकरण के समय शुरू में पांच साल की अवधि के लिए वैध होगा और प्राधिकार को, प्रदर्शन के आधार पर मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ के अनुमोदन से, सचिव, ईएलबीओ द्वारा एक समय में अतिरिक्त तीन साल की अवधि के लिए बढ़ाया जाएगा, बशर्ते कि—
- (एक) ऐसा कोई नवीनीकरण तब तक नहीं किया जाएगा, जब तक कि चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर ने विद्युत लाइसेंसिंग बोर्ड, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित एक पुनश्चर्चा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग नहीं लिया हो और इस निमित्त जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया हो।

- (दो) सीईएसई ने इस अधिसूचना के खंड 4 में परिभाषित कार्य के दायरे के अनुसार कार्य को सफलता पूर्वक पूरा कर लिया हो।

तथापि, उसके 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर, प्राधिकार स्वतः समाप्त हो जाएगा।

चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर के नवीनीकरण के लिए आवेदन, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ द्वारा निर्धारित प्रारूप और रीति में, सीईएसई के रूप में प्रदर्शन के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। यह, समाप्ति के पूर्व 30 (तीस) दिनों के भीतर प्रस्तुत किया जाएगा, किन्तु समाप्ति की तारीख से 180 (एक सौ अस्सी दिनों) के बाद नहीं।

- (ड.) चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर, वैधता अवधि की समाप्ति के बाद किसी प्राधिकार कार्य को करने के लिए पात्र नहीं होंगे।
- (च) आवेदन और पंजीकरण के लिए शुल्क संरचना—
- (एक) आवेदन शुल्क — रु. 50/—
- (दो) एक बार पंजीकरण शुल्क — रु.5,000/—
- (तीन) नवीनीकरण शुल्क —3000/—

इस अधिसूचना में यथा उल्लिखित शुल्क संरचना या देय किसी भी शुल्क को, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा, जब और जैसा आवश्यक हो, संशोधित किया जा सकता है।

- (छ) डुप्लीकेट प्रमाण पत्र या पहचान पत्र जारी करना—जहां प्रमाण पत्र या पहचान पत्र खो गया है, चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर, ईएलबी, छत्तीसगढ़, इस निमित्त उनके द्वारा आवेदन किए जाने पर, संबंधित पुलिस थाने में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) की एक प्रति द्वारा, विधिवत समर्थित होते हुए, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ के पक्ष में आहरित ई—चालान द्वारा रुपये 500 के शुल्क के भुगतान पर, यथास्थिति, डुप्लीकेट प्रमाण पत्र या पहचान पत्र जारी करेगा।

जहां ईएलबी, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी कोई प्रमाण पत्र या पहचान पत्र क्षतिग्रस्त हो जाता है, तो ईएलबी, छत्तीसगढ़ इस संबंध में किए गए आवेदन पर, और क्षतिग्रस्त प्रमाण पत्र या पहचान पत्र के समर्पण पर, एसई—सह—सचिव, ईएलबी छत्तीसगढ़ के पक्ष में आहरित ई—चालान द्वारा रुपये 500 के शुल्क के भुगतान पर डुप्लीकेट प्रमाण पत्र या पहचान पत्र जारी कर सकता है।

6. चार्टर्ड विद्युत सुरक्षा अभियंता के कर्तव्य और उत्तरदायित्व .—

- (क) वह सुसंगत विनियम और मानकों के अनुसार अनुशंसित परीक्षण करेगा।
- (ख) वह विद्युत प्रतिष्ठान का परीक्षण करेगा और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा और विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) विनियम, 2010, जैसी भी स्थिति हो, के प्रपत्र—एक या प्रपत्र—दो में उसका अभिलेख (रिकॉर्ड) रखेगा और परीक्षण की तारीख से सात कार्य दिवसों के भीतर मुख्य विद्युत निरीक्षक (सीईआई) या विद्युत निरीक्षक (ईआई) के संबंधित कार्यालय में परीक्षण किए गए उपकरण का फोटोग्राफ या वीडियो के साथ उसे जमा करेगा और नवीनीकरण के समय इसे ऐसी रीति में और ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा, जैसा कि मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ द्वारा विहित किया जाये।
- (ग) स्वामी, सीईएसई द्वारा अपनी रिपोर्ट में दी गई सिफारिश को, रिपोर्ट में निर्धारित समय के भीतर, पूरा करेगा। यदि स्वामी, निर्धारित अवधि के बाद भी, सीईएसई द्वारा पहचानी गई कमी को सुधारने में विफल रहता है, तो सीईएसई, सुधार की रिपोर्ट में, निर्धारित समय की समाप्ति से 15 दिनों की अवधि के भीतर, मुख्य विद्युत निरीक्षक या विद्युत निरीक्षक के कार्यालय को सूचित करेगा। इस तरह के रिकॉर्ड, मुख्य विद्युत निरीक्षक या विद्युत निरीक्षक के कार्यालय को स्वामी या सीईएसई द्वारा, जब और जैसा भी आवश्यक हो, उपलब्ध कराया जाएगा।

- (घ) यदि, स्वामी या आपूर्तिकर्ता या उपभोक्ता के प्रमाणन या स्थापना पर, जैसी भी स्थिति हो, सीईएसई संतुष्ट है कि बिजली के उपयोग के लिए प्रतिष्ठान खतरनाक होने की संभावना है, तो वह परीक्षण की तारीख से 48 घंटे की अवधि के भीतर स्वामी और मुख्य विद्युत निरीक्षक या विद्युत निरीक्षक का कार्यालय इसे ध्यान में लाएगा। ऐसे नोटिस की प्राप्ति पर, मुख्य विद्युत निरीक्षक (सीईआई)/विद्युत निरीक्षक (ईआई), सीईए सुरक्षा विनियम 31 के अनुसार तत्काल कार्रवाई करेगा।

7. **सीईएसई का शुल्क और लेवी शुल्क .-**

- (एक) विद्युत प्रतिष्ठान के परीक्षण निरीक्षण और स्व-प्रमाणन के प्रयोजन के लिए स्वामी को चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर की सहायता के लिए शुल्क की अधिरोपण उससे अधिक नहीं होगी, जो कि सीईए समसंख्यक सीई 1/1/2/2018 दि. 21.07.2018 द्वारा जारी दिशा निर्देश में यथा निर्धारित विहित शुल्क संरचना है, जो कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय-समय पर संशोधित अनुसार या अधिसूचित अनुसार है।
- (क) सीईए सुरक्षा विनियम 43 के तहत अधिसूचित वोल्टेज तक प्रति विद्युत प्रतिष्ठान का परीक्षण, रुपये 3000/- है।
- (ख) सीईए सुरक्षा विनियम 30 के तहत अधिसूचित वोल्टेज तक प्रति विद्युत प्रतिष्ठान का आवधिक परीक्षण रुपये 2000/- है।
- (दो) सीईएसई द्वारा परीक्षण और स्व-प्रमाणन के उद्देश्य से अधिरोपित किया जाने वाला कोई भी शुल्क, नकद के अलावा किसी अन्य रीति से प्राप्त किया जाएगा।
- (तीन) किसी भी मामले में सीईएसई द्वारा अधिरोपित किया गया शुल्क, शासन द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना से अधिक नहीं होगी। यदि सीईएसई के विरुद्ध आधिक्य दावे के संबंध में शिकायत प्राप्त होती है, तो उसका प्राधिकार, रद्द करने के दायित्वधन है।

8. **उपभोक्ताओं तक सीईएसई की पहुंच .-** सचिव, ईएलबी, अधिकृत चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर्स के नाम, प्राधिकार के 15 दिनों के भीतर, स्वामी, आपूर्तिकर्ता और उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करेंगे।

9. **अधिकृत चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर की बाध्यता.-**

प्रत्येक व्यक्ति, जो चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर के रूप में प्राधिकृत है:-

- (क) अधिनियम, सीईए विनियम और छत्तीसगढ़ विद्युत लाइसेंसिंग बोर्ड (विद्युत) विनियम 2000 और इस अधिसूचना, समय-समय पर यथा संशोधित के अनुसार कार्य करेगा।
- (ख) बहु-रोजगार में नहीं होना चाहिए या किसी फर्म या कंपनी या राज्य सरकार या राज्य के स्वामित्व वाले सार्वजनिक क्षेत्र या केंद्र सरकार या केंद्रीय पीएसयू या वितरण लाइसेंसधारी में परामर्श प्रदान नहीं करना चाहिए।
- (ब) जिसके लिए उसे अधिकृत किया गया है, इसके अलावा किसी भी प्रतिष्ठान के लिए सहायता नहीं करना चाहिए।
- (क) तिमाही के दौरान किए गए कार्यों के विवरण और इस तरह के अन्य प्रासंगिक जानकारी देते हुए, इस प्रयोजन हेतु यथा विहित प्ररूप, रीति और अंतराल में, एक ऑनलाइन त्रैमासिक रिटर्न दाखिल करेगा। रिटर्न दाखिल करने में विफल होने पर, इस अधिसूचना का उल्लंघन माना जाएगा और इस अधिसूचना के खंड 10 में यथा उल्लिखित प्रावधानों को लागू किया जाएगा।
- (ड.) आपदा जैसी स्थिति जैसे बाढ़, चक्रवात आदि के समय, सीईएसई को शासन द्वारा आवश्यकतानुसार निर्देश दिए जाने पर, बिजली आपूर्ति की बहाली के लिए समर्थन देने के दायित्व का निर्वहन करना होगा।

(च) सचिव, ईएलबी को लिखित रूप में, ऐसी रीति एवं ऐसे प्रारूप में, जैसा कि विहित किया जाये, निम्नलिखित में से प्रत्येक परिवर्तन पर, अद्यतन करने हेतु नीचे दी गई निर्धारित अवधि के भीतर, सूचित किया जायेगा, अर्थात्:-

- (एक) वर्तमान पता में परिवर्तन के सात दिनों के भीतर ;
- (दो) मोबाइल नंबर में परिवर्तन के सात दिनों के भीतर; और
- (तीन) ई-मेल पता.

10. **उल्लंघन के लिए जुर्माना.-**

(क) जहां भी यह प्रतीत होता है कि कोई प्राधिकृत चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर :-

- (एक) इस अधिसूचना या एसीटी या सीईए विनियमन 2010 या ईएलबी विनियमन के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन किया है;
- (दो) प्राधिकार के संबंध में किसी प्राधिकरण, संगठन या किसी व्यक्ति को धोखाधड़ी या गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है;
- (तीन) विद्युत निरीक्षणालय से जुड़े किसी अधिकारी या अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया है या किसी विधि न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया है;
- (चार) किसी भी प्राधिकरण को गलत तरीके से कोई स्व-प्रमाणन रिपोर्ट प्रस्तुत की है;
- (पांच) निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क की मांग की है;
- (छः) पेशेवर कदाचार के लिए कोई कमीशन या चूक; और
- (सात) तथ्यों, आंकड़ों या रिपोर्टों की कोई गलत प्रस्तुति।

(ख) मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ किसी भी अधिनियम/नियमों/ विनियमों/आदेशों के कथित उल्लंघन की जांच लंबित रहने तक प्राधिकार को, एक वर्ष तक की अवधि के लिए निलंबित कर सकता है। ऐसा आदेश, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ द्वारा पारित किया जा सकता है, यदि उनका प्रथम दृष्टया यह मानना है कि चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर किसी अपराध का दोषी है।

(ग) उप-खण्ड (ख) के अधीन निलम्बन का आदेश जारी होने के उपरान्त, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़, विद्युत निरीक्षणालय के किसी ऐसे अधिकारी, जो संभागीय विद्युत निरीक्षक के पद की श्रेणी से निम्न का न हो, के द्वारा जांच किये जाने का आदेश दे सकता है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ कम से कम 3(तीन) वर्ष की अवधि के लिए, प्राधिकार को निरस्त कर सकता है अथवा निलंबन को प्रतिसंहृत कर सकता है:

परंतु यह कि चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर को सुनवाई का अवसर दिए बिना, किसी भी प्राधिकार को रद्द नहीं किया जाएगा।

(घ) जहां प्राधिकार को निलम्बित या निरस्त किया जाता है, वहां मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ के निर्णय के अनुसार, चार्टर्ड इलेक्ट्रिकल सेपटी इंजीनियर किसी भी प्रमाणन कार्य को करने के लिए तब तक पात्र नहीं होंगे, जब तक कि निलंबन या निरस्तीकरण को पृथक आदेश द्वारा रद्द नहीं किया जाता है।

(ङ) आगे, ऐसे निलम्बन या निरस्तीकरण को रद्द करने के लिए, वह, मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ को जांच प्रतिवेदन संलग्न करते हुए, अभ्यावेदन देगा। मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़, सीईएसई द्वारा संतोषजनक अनुपालन के बाद प्राधिकार के निलंबन या निरस्तीकरण को रद्द कर सकता है।

11. **अपील.-** मुख्य विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ के आदेश से व्यथित कोई भी व्यक्ति, आदेश जारी होने की तिथि से तीस दिन की अवधि के भीतर ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन को अपील कर सकता है। इस संबंध में ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ का निर्णय अंतिम एवं सभी संबंधितों पर बाध्यकारी होगा।

12. **अन्य नियम और शर्तें—**

- (क) यह, प्रतिष्ठान के स्वामी की जिम्मेदारी होगी कि वह खतरे से मुक्त स्थिति में प्रतिष्ठान को अनुरक्षित रखे और संचालित करे, और विनिर्माता या मुख्य विद्युत निरीक्षक (सीईआई) या विद्युत निरीक्षक (ईआई) या सीईएसई या “भारतीय मानक ब्यूरो” का प्रचलित प्रासंगिक कोड या सीईए द्वारा यथा विहित सुरक्षा विनियम के द्वारा अनुशंसित अनुसार कार्य करे.
- (ख) निरीक्षण पर सीईएसई और स्वामी या आपूर्तिकर्ता या उपभोक्ता के बीच उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद के मामले में, संबंधित क्षेत्र के विद्युत निरीक्षक का निर्णय मान्य होगा.
- (ग) सीईएसई द्वारा जांच या परीक्षण की गई किसी भी विद्युत प्रतिष्ठान का सीईआई या ईआई द्वारा निरीक्षण या पुनः दौरा किया जा सकता है, यदि वह, सीईएसई द्वारा किए गए जांच या परीक्षण से संतुष्ट नहीं है.
- (डी) सीईएसई द्वारा उपयोग किए जाने वाले परीक्षण उपकरण (जैसा कि अनुबंध-एक में दिया गया है) को प्रत्येक दो वर्षों में कम से कम एक बार एसटीएल (शॉर्ट-सर्किट परीक्षण संपर्क) या किसी एनएबीएल (परीक्षण और अंश-शोधन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) में अंश-शोधित किया जाएगा.

मनोज कोशले,
उप सचिव,

अनुबंध-एक**बुनियादी परीक्षण उपकरण**

01. **वोल्टमीटर—** किसी भी उपकरण/विद्युत उपकरण में उत्पन्न विभवान्तर को मापने के लिए इसका प्रयोग करें.
02. **अमीटर—** एम्पीयर में विद्युत धारा मापने का यंत्र.
03. **बहुमीटर—** एक मल्टी मीटर वोल्टेज, करंट और प्रतिरोध को माप सकता है.
04. **इन्सुलेशन और अर्थटेस्टर—** विद्युत प्रतिष्ठान के ज्वलनशीलता प्रतिरोध और सिस्टम/अर्थ पिट के अर्थ प्रतिरोध को मापने के लिए एक उपकरण.
05. **क्लैप अर्थटेस्टर—** ग्राउंड को डिस्कनेक्ट करने की आवश्यकता के बिना, मल्टी-ग्राउंड इन्स्टॉलेशन में ग्राउंड रेजिस्टेंस और करंट को मापने के लिए एक उपकरण.
06. **लाइव लाईन टेस्टर —** यह जांचने का एक उपकरण है कि कोई लाईन सक्रिय स्थिति में है या नहीं.
07. **क्लैप टेस्टर—** इंटीग्रल एसी करंट क्लैप वाले विद्युत मीटर को क्लैप मीटर, क्लैप-ऑन एमीटर या टोंग टेस्टर के रूप में जाना जाता है.
08. **व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण—**
- क. **सुरक्षा हेलमेट—** भारतीय मानक के अनुसार (आईएस:2925)
- ख. **सुरक्षा बेल्ट—** भारतीय मानक के अनुसार (आईएस:2521)
- ग. **सुरक्षा जूते—** भारतीय मानक के अनुसार (आईएस:4770)
- घ. **हाथ के दस्ताने—** भारतीय मानक के अनुसार (आईएस:4770)
- ड.. **डिस्चार्ज रॉड—** भारतीय मानक के अनुसार.
09. **अन्य परीक्षण उपकरण—** समय-समय पर ईआईसी (विद्युत)-सह-पीसीईआई, छत्तीसगढ़ द्वारा यथा अनुशंसित.

उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं

उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

बिलासपुर, दिनांक 18 अगस्त 2023

क्रमांक 414/दो-3-11/2014.— श्री विजय कुमार एक्का, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बलौदाबाजार दिनांक 31-07-2023 की अपरान्ह में सेवानिवृत्त होने के फलस्वरूप उनके अवकाश लेखा में सेवानिवृत्ति तिथि को शेष अर्जित अवकाश में से 240 (दो सौ चालीस) दिवस के अर्जित अवकाश नगदीकरण की स्वीकृति, छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, रायपुर के आदेश क्रमांक 13040/21-ब/छ.ग./06 दिनांक 31-10-2006, पत्र क्रमांक 4590/डी-331/21-ब/छ.ग./09 दिनांक 08-07-2009 सहपठित पत्र क्रमांक 4082/21-ब/छ.ग./2010 दिनांक 01-05-2010 में दिये गये स्पष्टीकरण (clarification) के आलोक में, प्रदान की जाती है।

Bilaspur, the 18th August 2023

No. 10542/Checker/III-6-1/2007 (Pt.I).— In exercise of the powers conferred under sub-section (3) of Section 11 read with Section 32 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the High Court of Chhattisgarh hereby confers the powers of Judicial Magistrate First Class upon Shri Rajesh Xalxo, J.M.S.C. Baikunthpur.

Bilaspur, the 18th August 2023

No. 10544/Checker/III-6-2/2007 (Pt.I).— In exercise of the powers conferred under clause (c) of sub-section (1) of Section 260 of the Code of Criminal Procedure, 1973, (Act No. 2 of 1974), the High Court of Chhattisgarh hereby specially empowers Shri Rajesh Xalxo, J.M.F.C., Baikunthpur to try in a summary way all or any of the offences specified in the said Section.

Bilaspur, the 25th August 2023

No. 1161/Confdl./2023/II-2-1/2023.— Smt. Mona Chauhan, a Civil Judge (Senior Division) who has been promoted and appointed to the post of District Judge (Entry Level) in officiating capacity by the State Government vide its Order No. 9445/2595/21-B/C.G./2023 dated 01-08-2023, and who has been posted on deputation as Joint Registrar, Chhattisgarh State Consumer Disputes Redressal Commission, Raipur vide State Government's Order No. F 5-5/2010/29-2 dated 14-08-2023 and Registry Endorsement No. 1158/Confdl./2023/II-2-16/2001 (Pt.III) dated 23-08-2023, is hereby, promoted and appointed to the category of District Judge (Entry Level) on proforma basis, from the date she assumes charge of her post.

By order of the High Court,
ARVIND KUMAR VERMA, Registrar General.

Bilaspur, the 28th August 2023

No. 59/L.G./2023/II-3-18/2007.— Shri D. L. Katakwar, District & Sessions Judge, Korba is hereby, granted earned leave for 06 days from 01-05-2023 to 06-05-2023 along with permission to remain out of headquarters and earned leave for 05 days from 19-06-2023 to 23-06-2023 along with permission to leave headquarters from 17-06-2023 to 23-06-2023 and earned leave for 07 days from 22-07-2023 to 28-07-2023.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Katakwar, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 300+06 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 28th August 2023

No. 60/L.G./2023/II-3-32/2007.—Shri D. N. Bhagat, Special Judge (Atrocities), Surguja (Ambikapur) is hereby, granted earned leave for 05 days from 31-07-2023 to 04-08-2023 along with permission to remain out of headquarters.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Bhagat, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 300+10 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

By order of the High Court,
AWADH KISHORE, Additional Registrar (ADMN.)

बिलासपुर, दिनांक 1 सितम्बर 2023

क्रमांक 439/दो-2-19/2022.—श्री जितेन्द्र कुमार, तत्कालीन न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, कांकेर, वर्तमान रजिस्ट्रार (चयन एवं नियुक्ति प्रकोष्ठ), उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर को उनके आवेदन पत्र दिनांक 08-08-2023 के आधार पर दो वर्ष की खण्ड अवधि अर्थात् दिनांक 01-11-2017 से 31-10-2019 हेतु उनके अवकाश खाता में शेष अर्जित अवकाश में से 30 दिवस के अर्जित अवकाश नगदीकरण की स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, रायपुर के आदेश क्रमांक 13040/21-ब/छ.ग./06 दिनांक 31-10-2006 के आलोक में प्रदान की जाती है।

आदेशानुसार,

आर. पी. देवांगन,
बजट अधिकारी.